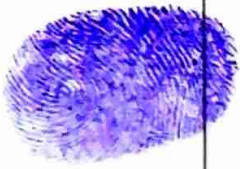


12/6/17

5200000000
(राजस्व लोक अदालत कम्प दादा)

पञ्जावली प्रस्तुत हुई। वादीगण

रूप



वादी शिका 1 व 2 ने नोटिस लेने से इंकार किया एवं वादी सं. 3 को जारी नोटिस पर ध्यान नहीं देकर पाना है वाक्यूड कतुद (का) रहने से उनके विकट एक पक्षीय कार्रवाई अमल में लई जाती है प्रतिवादी सं 3, 4, 6, 11 एवं 12 उपस्थित।

श्री लाल
अमरसिंह
23/12/21
नेनाराम

उपस्थित प्रतिवादीगणों को सुना जाया। पञ्जावली एवं शिकाड शिकाड का डिवलोकन किया। खर्चीली जमाव-दी में वादग्रस्त इति नाना दादा के खर्च सं 940, 944, 945, 946, 1029,

Contd →

1030, 1032 कुल सैजफल
9.97 हेक्टर "डोली-धर्मपुरा
मुख्य देह हाजा लालके" दर्ज

हैं। वादग्रस्त शक्ति के संवन्ध
में वादीगण द्वारा प्रतिवादीगणों
के विरुद्ध वाद अधिनियम चारा
188 R.T. Act प्रस्तुत किया
जाया है। वादग्रस्त शक्ति के
वादीगण (वालेदार/आसामी नहीं
है, अपितु वादग्रस्त शक्ति "डोली
धर्मपुरा मुख्या देह लालके" अधिनियम
अधिनियमों में दर्ज है। चारा 188
R.T. Act का वाद आसामी/वालेदार
ही प्रस्तुत करना है। राजस्थान
कायदाकारी अधिनियम, 1955
की चारा-5 (43) में "आसामी"
को परिभाषित किया जाया है,
जिसके अनुसार भी वादी यह वाद
लाने का अधिनियम नहीं है।
उस संवन्ध में हमारे द्वारा
माननीय न्यायालयों के द्वारा
प्रतिपादित उद्धरण श्रेयों का

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

खाजू 1964 R.R.D. 247, 1968 R.R.D.
133, 1974 R.R.D. 164, 305, 384
475, 1970 R.R.D. 223 बुल्हादि
का कादरपूर्वक क्वलोकन किया
जाया, जिससे भी उक्त तथ्य की
पुष्टि होती है। वादीजण
वदगुना बुकि न ले (वार्डर
है एवं न हो क्विली प्रकार
से आसानी की होती है।

अतः वाद वादीजण (वार्डर)
किया जाता है। पगावकी फंसल
शुमार लेकर सरखा से कम है।

(राजेश अग्रवाल)
SBO देपुरी